नईदुनिया

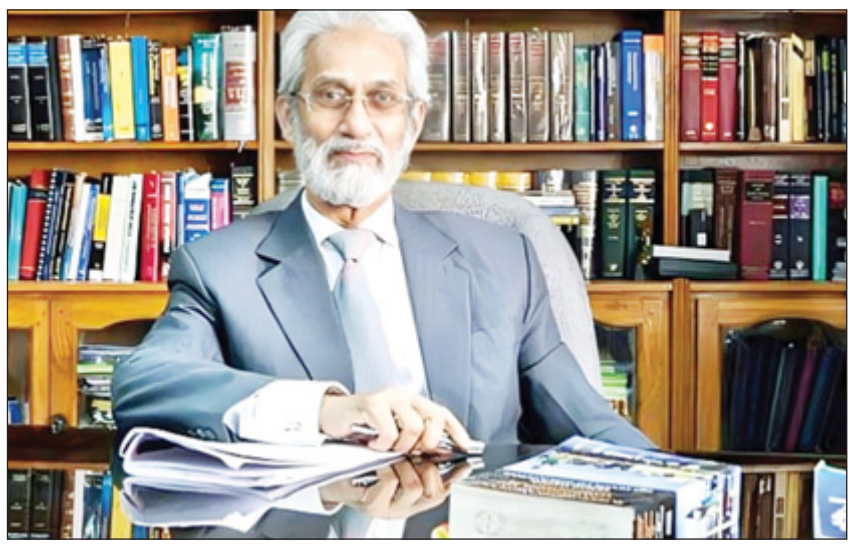

कोलकाता में जन्मे बांग्लादेश के पूर्व अटॉर्नी जनरल आरिफ का 83 वर्ष की आयु में ढाका में निधन

ढाका

बांग्लादेश के पूर्व अटॉर्नी जनरल और अंतरिम सरकार के नागरिक उड्डयन और पर्यटन सलाहकार एएफ हसन आरिफ का 83 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने कल दोपहर बाद राजधानी ढाका के लैबैड अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके बेटे मोअज आरिफ ने इसकी पुष्टि की।

हसन आरिफ को दोपहर करीब तीन बजे अस्पताल ले जाया गया था। वह खाना खाते समय गिर गए थे। परीक्षण के के बाद उन्हें अपराह्न 3:35 बजे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल के जनसंपर्क अधिकारी चौधरी मेहर-ए-खोदा ने कहा, उन्हें कार्डियक अरेस्ट हुआ था। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील एएफ हसन आरिफ का जन्म 1941 में कोलकाता में हुआ था। उन्होंने अपनी माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा कोलकाता के सेंट जेवियर्स कॉलेज से पूरी की। इसके बाद उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री और एलएलबी की उपाधि प्राप्त की। 1967 में कलकत्ता हाई कोर्ट में एक वकील के रूप में नामांकन कराने के बाद वह पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) चले गए। उन्होंने 1970 में ढाका हाई कोर्ट में प्रैक्टिस शुरू की। हसन आरिफ सैन्य तानाशाह एचएम इरशाद के शासन के समय अप्रैल 1982 से अगस्त 1985 तक सहायक अटॉर्नी जनरल के रूप में और अगस्त 1985 से मार्च 1996 तक डिप्टी अटॉर्नी जनरल के रूप में कार्य किया। बाद में उन्होंने अक्टूबर से बीएनपी-जमात-ए-इस्लामी गठबंधन सरकार के दौरान अटॉर्नी जनरल के रूप में कार्य किया। जनवरी 2008 से जनवरी 2009 तक उन्होंने फखरुद्दीन अहमद के नेतृत्व वाली कार्यवाहक सरकार के कानूनी सलाहकार के रूप में कार्य किया। पूर्व अटॉर्नी जनरल ने कई मामलों में मोहम्मद यूनुस का प्रतिनिधित्व किया।

नागरिक उड्डयन और पर्यटन मंत्रालय के प्रवक्ता महबुबुर रहमान तुहिन ने बताया कि आज सुबह 11 बजे हाई कोर्ट परिसर में अंतिम संस्कार प्रार्थना की गई। उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा, इसकी घोषणा बाद में की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

स्वच्छ श्रीलंका अभियान के लिए कार्यबल की स्थापना

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के स्वच्छ श्रीलंका अभियान की सफलता के लिए कार्यबल की स्थापना की गई है। एक राजपत्र अधिसूचना में कार्यबल में शामिल लोगों के नामों की घोषणा की गई है। यह अभियान राष्ट्रपति के सचिव डॉ. एनएस कुमानायके की देखरेख में शुरू होगा। वह कार्यबल का नेतृत्व करेंगे। राष्ट्रपति के वरिष्ठ अतिरिक्त सचिव जीएमआरडी अपोंसु सचिव के रूप में कार्य करेंगे। कार्यबल के सदस्यों में सेना, नौसेना और वायुसेना के कमांडर को भी शामिल किया गया है। अन्य सदस्यों में कार्यवाहक महानिरीक्षक प्रियंता वीरसुरिया, शहरी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष कुमुदु लाल डी सिल्वा, आईएस जयरत्न, गिहान डी सिल्वा, सैंड्या सालगाडो, डॉ. गामिनी बटुविटेज, डॉ. अनुरुद्ध गमागे, दिल्रुक वानासिंघे, दीपल सोरियाराच्ची, सिसिरा अमरबंदु, कृष्णथा कुरे, जयथु परेरा, रुवान वीरसूर्या और दयान करुणारत्न हैं। स्वच्छ श्रीलंका अभियान का मकसद समाज में नैतिक पर्यावरणीय जागरुकता पैदा करना है। यह अभियान सारे देश में शुरू किया जाना है। इसमें सामाजिक संगठनों का भी सहयोग लिया जाएगा।

दक्षिण कोरिया अमेरिकी अंतरिक्ष केंद्र से अपना तीसरा सैन्य जासूसी उपग्रह लॉन्च करेगा

सियोल। दक्षिण कोरिया अमेरिकी अंतरिक्ष केंद्र से अपना तीसरा घरेलू सैन्य जासूसी उपग्रह लॉन्च करेगा। दक्षिण कोरिया ने कुछ समय से उत्तर कोरिया पर अपनी निगरानी क्षमताओं को बढ़ाने के प्रयास तेज किए हैं। इस उपग्रह को स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट पर कैलिफोर्निया के वैंडेनबर्ग स्पेस फोर्स बेस से सुबह 3:34 बजे (स्थानीय समय) लॉन्च किया जाएगा। खबर में यह भी साफ किया गया है कि अगर प्रक्षेपण सफल हुआ तो यह उत्तर कोरिया पर बेहतर निगरानी के लिए 2025 तक पांच मध्यम से बड़े आकार के जासूसी उपग्रहों को प्राप्त करने की योजना के तहत कक्षा में दक्षिण कोरिया का तीसरा सैन्य जासूसी उपग्रह होगा। दक्षिण कोरिया ने अपना पहला जासूसी उपग्रह पिछले साल दिसंबर में कैलिफोर्निया के अंतरिक्ष बेस से लॉन्च किया था। यह पृथ्वी की सतह की विस्तृत तस्वीरें खींचने के लिए इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल और इन्फ्रारेड सेंसर से लैस है। देश ने अप्रैल में अपना दूसरा जासूसी उपग्रह फ्लोरिडा के मेरिट द्वीप पर जॉन एफ कैनेडी स्पेस सेंटर से प्रक्षेपित किया था। यह सिंथेटिक एपर्चर रडार (एसएआर) सेंसर से सुसज्जित है। यह किसी भी मौसम में माइक्रोवेव का उपयोग करके डेटा कैप्चर करता है। दक्षिण कोरिया के रक्षा अधिकारियों को उम्मीद है कि होने वाले प्रक्षेपण से उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल खतरों के खिलाफ सेना के त्रि-आयामी निगरानी कार्यक्रम को और बढ़ावा मिलेगा। तीसरे प्रक्षेपण की निगरानी रक्षा अधिग्रहण कार्यक्रम प्रशासन मंत्री सेओक जोंग-गन कर रहे हैं।

भारतीय जेल में दो साल की सजा काटने के बाद 15 बांग्लादेशी घर लौटे

ढाका। भारत की एक जेल में दो साल की सजा काटने के बाद नौ महिलाओं सहित 15 बांग्लादेशी बेनापोल चेक पोस्ट के माध्यम से स्वदेश लौट आए। उनके छह बच्चे भी साथ आए। पेट्रापोल आव्रजन पुलिस ने उन्हें कल रात करीब साढ़े 10 बजे बेनापोल आव्रजन पुलिस को सौंपा। समाचार पत्र के अनुसार, गैरसरकारी संगठन राइट्स जशोरे ने सभी 15 व्यक्तियों को अपने यहां आश्रय दिया। बेनापोल आव्रजन पुलिस के प्रभारी इब्राहिम अहमद ने कहा, इन लोगों को बाद में उनके परिवारों को सौंपा जाएगा। यह लोग नरैल, खुलना और सथखिरा जिलों के विभिन्न क्षेत्रों के हैं। पैसे के बदले काम का वादा कर तस्कर उन्हें करीब ढाई साल पहले भारत के मुंबई ले गए थे। वहां पहुंचने पर तस्कर उन्हें मुंबई के एक रेलवे स्टेशन पर छोड़कर भाग गए। उन्हें भारतीय रेलवे पुलिस ने गिरफ्तार किया था। अदालत ने इन लोगों को दो साल की सजा सुनाई थी।

अमेरिका में शटडाउन संकट से उबरने के लिए लाया गया नया विधेयक, अब सीनेट की मंजूरी का इंतजार

वाशिंगटन

संयुक्त राज्य अमेरिका में शटडाउन संकट को टालने के प्रयास जारी हैं। इसके लिए संघीय सरकार नया विधेयक लेकर आई है। स्टॉपगैप फंडिंग विधेयक को अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स की मंजूरी मिल गई है। अब इस पर उच्च सदन सीनेट में मतदान होना है। इसे सीनेट के पास भेज दिया गया है। आज अगर सीनेट की मंजूरी मिल जाती है तो अमेरिका के नागरिकों को क्रिसमस की छुट्टियों में शटडाउन की वजह से परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

रिपोर्ट्स में कहा है कि संघीय सरकार इस संकट को टालने के प्रयास तो कर रही है पर उसने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सलाह नहीं मानी है। ट्रंप चाहते थे कि नए विधेयक में ऋण सीमा में वृद्धि शामिल की जाए। राष्ट्रपति जो बाइडेन की संघाय सरकार ने उनकी सलाह को दरकिनार कर दिया। इसलिए इसे ट्रंप के लिए झटका भी कहा जा सकता है।

हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के सभापति माइक जॉनसन ने नया विधेयक सदन में पेश किया। निचले सदन ने इसे 366-34 के भारी बहुमत से मंजूरी दी। जॉनसन ने कहा कि यह अमेरिका के लिए अच्छा परिणाम है। कांग्रेस देश में शटडाउन नहीं होने देने की पूरी कोशिश कर रही है।

हालांकि ट्रंप अभी भी अपनी ऋण सीमा बढ़ाने की मांग पर अड़े हुए हैं। ऐसे में सीनेट से विधेयक के पास होने को लेकर अभी भी संशय है। ऋण सीमा बढ़ाने की ट्रंप की मांग के पीछे एलन मस्क का दिमाग माना जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने सरकारी खर्च कम करने की जिम्मेदारी मस्क को सौंपी है। कई सांसद इससे नाराज हैं। उनका कहना है कि मस्क कांग्रेस के सदस्य नहीं हैं, लेकिन वह दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। प्रभावशाली नेता चक शूमर ने एक्स पर लिखा है कि वह इस बात के लिए आश्वस्त हैं कि सीनेट शटडाउन को रोकने के लिए मतदान करेगी।

यूएन में पहली बार मनाया गया विश्व ध्यान दिवस, श्री श्री रविशंकर ने बताए लाभ, अध्यक्ष यांग ने कहा- ध्यान लोगों के प्रति करुणा और सम्मान पैदा करता है

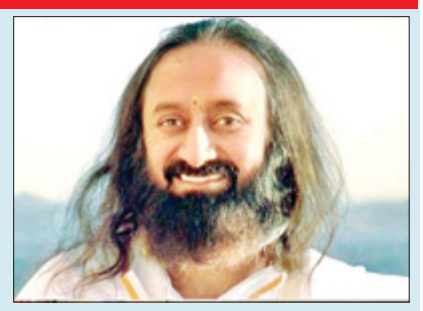

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र में पहली बार विश्व ध्यान दिवस मना। यूएन में भारत के स्थायी मिशन ने 20 दिसंबर को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में प्रथम विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए ध्यान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में यूएन के अध्यक्ष फिलेमोन यांग, अवर महासचिव अतुल खरे और कई अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर ने 600 से ज्यादा उत्साही प्रतिभागियों को एक विशेष ध्यान सत्र भी दिया। यूएन में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पार्वथानेनी हरीश ने कहा कि ध्यान की प्राचीन भारतीय प्रथा के महत्व को व्यक्तिगत पूर्ति और आंतरिक शांति के साधन के रूप में रेखांकित किया, जो वसुधैव कुटुम्बकम-संपूर्ण विश्व एक परिवार है के सभ्यतागत सिद्धांत पर आधारित है। उन्होंने कहा कि विश्व ध्यान दिवस पर संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव में योग और ध्यान के बीच संबंध को स्वास्थ्य और कल्याण के पूरक दृष्टिकोण के रूप में स्वीकार किया है। यूएन अध्यक्ष यांग ने कहा कि ध्यान लोगों के प्रति करुणा और सम्मान पैदा करता है। इस अवसर पर अवर महासचिव अतुल खरे ने मानसिक स्वास्थ्य और ध्यान के बीच अंतर्निहित संबंध और संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों पर ध्यान के गहन प्रभाव को रेखांकित किया। श्री श्री रविशंकर ने अपने भाषण में ध्यान से जुड़े कई लाभों और आयामों पर प्रकाश डाला। बता दें कि 6 दिसंबर 2024 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने सर्वसम्मति से 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस घोषित करते हुए प्रस्ताव पारित किया था। उक्त प्रस्ताव को सर्वसम्मति से अपनाने में भारत की अहम भूमिका थी। ऐसे समय में प्रस्ताव को अपनाना शांति और समग्र मानव कल्याण को बढ़ावा देने के महत्व को उजागर करता है, जब दुनिया संघर्ष और पीड़ा का सामना कर रही है।

जर्मनी में कार से लोगों को रौंदने वाला डॉक्टर लड़कियों की करता था तस्करी

बर्लिन

सोशल मीडिया प्रोफाइल से हुआ खुलासा, नास्तिक विचारों का है आरोपी

जर्मनी के मार्केट में कार दौड़ाकर लोगों को रौंदने वाले डॉक्टर को लेकर चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं। उसकी सोशल मीडिया प्रोफाइल के मुताबिक वह पहले मुसलमान था। वह नास्तिक विचारों का है। इसके अलावा उसके ऊपर लड़कियों की तस्करी का भी आरोप है।

तालेब जर्मनी के दक्षिणपंथी राजनीतिक दल, अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी का समर्थक बताया जा रहा है। यह पार्टी इमिग्रेशन विरोधी रुख के लिए जानी जाती है। वह साल 2006 से जर्मनी में रह रहा है। उसने जिस बाजार में कार दौड़ाई वह यहीं पर रहता है।

जानकारी के मुताबिक तालेब साइकियाट्री और साइकोथेरेपी का स्पेशलिस्ट है। तालेब का जन्म सऊदी अरब में 1974 में हुआ था। रिपोर्ट्स के मुताबिक तालेब के ऊपर सऊदी में आतंकवाद और लड़कियों की तस्करी का आरोप है।

इसके मुताबिक वह मिडिल ईस्ट से यूरोपीय देशों में लड़कियों की तस्करी करता था। इन तमाम आरोपों के बावजूद जर्मनी ने उसे सऊदी अरब को नहीं सौंपा और अपने यहां शरण दी। उसने 2006 में जर्मनी में स्थायी वीजा हासिल किया था। साल 2016 में उसकी शरणार्थी के रूप में पहचान हुई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सऊदी अरब में वह अपने नास्तिक विचारों और विचार जाहिर कर पाने में असमर्थ था। जर्मनी आने के बाद आरोपी डॉक्टर ने वीआरसऊदी डॉट नेट नाम से एक वेबसाइट बनाई। इसके जरिए वह उन गैर मुस्लिमों की मदद करता था जो खाड़ी देशों को छोड़ना चाहते थे। इसके अलावा वह उन्हें तमाम तरह की जानकारियां भी मुहैया कराता था। गौरतलब है कि जर्मनी के मैगडेबर्ग शहर में शुक्रवार को एक कार क्रिसमस के त्योहार पर खुले स्थान पर लगे एक बाजार में लोगों को रौंदते हुए घुस गई। इससे दो लोगों की मौत हो गई और 60 लोग घायल हो गए। घटना के बाद कार चालक को गिरफ्तार कर लिया गया। घटना के वक्त बाजार में काफी भीड़ थी।

आयरन डोम भी हुआ फेल, इजरायल में हूतियों का ड्रोन अटैक, 16 लोग घायल

तेल अवीव। इज़राइल की मैगन डेविड एडोम (एमडीए) आपातकालीन सेवा ने कहा कि पास की इमारतों में टूटे कांच के टुकड़ों से कम से कम 16 लोग मामूली रूप से घायल हो गए। इसके अलावा, 14 पीड़ितों को आश्रय की तलाश में लगी मामूली चोटों के लिए इलाज किया गया, साथ ही सात घबराए हुए पीड़ितों का भी इलाज किया गया।

यमन के ईरान समर्थक हूती विद्रोहियों ने इजरायल से जोरदार बदला लिया है। हूतियों ने इजरायल के बेहद अहम शहर तेलअवीव में सफल बलिस्टिक मिसाइल हमला किया है। इज़राइल की सेना ने कहा कि प्रक्षेप्य तेल अवीव के दक्षिणी जाफ़ा क्षेत्र में गिरा और कहा कि यमन से एक मिसाइल को रोकने के प्रयास मध्य इज़राइल में सायरन बजने के तुरंत बाद विफल हो गए। इजरायल अब तक आयरन डोम और एरो-3 जैसे एयर डिफेंस सिस्टसम का इस्तेमाल करके इन मिसाइलों को हवा में मार गिराता था।

इसमें कहा गया है कि क्षेत्र में एक गिरे हुए प्रक्षेप्य की पहचान की गई है। इज़राइल की मैगन डेविड एडोम (एमडीए) आपातकालीन सेवा ने कहा कि पास की इमारतों में टूटे कांच के टुकड़ों से कम से कम 16 लोग मामूली रूप से घायल हो गए। इसके अलावा, 14 पीड़ितों को आश्रय की तलाश में लगी मामूली चोटों के लिए इलाज किया गया, साथ ही सात घबराए हुए पीड़ितों का भी इलाज किया गया। इज़राइल का दूसरा सबसे बड़ा शहर, तेल अवीव देश का वाणिज्यिक और राजनयिक केंद्र है। इसकी व्यापक हवाई सुरक्षा के कारण, तटीय शहर पर दागे गए प्रोजेक्टाइल से सीधे प्रहार दुर्लभ हैं।

पिछले साल अक्टूबर में गाजा में हमास के साथ इजरायल का युद्ध शुरू होने के बाद से, देश लेबनान में हिजबुल्लाह और यमन में हौथिस, दोनों ईरान समर्थित आतंकवादी समूहों, साथ ही ईरान से मिसाइलों और रॉकेटों की चपेट में आ गया है। लगभग सभी प्रक्षेप्यों को इज़राइल की वायु रक्षा द्वारा रोक दिया गया है।

किडो तूफान

फ्रांस में तूफान किडो से धवस्त घरों के मलबे को साफ करते हुए लोग। वहीं एक महिला ब्रेक लेकर आराम करती हई।

रूस के कजान में यूक्रेन का ड्रोन हमला, ऊंची इमारतों को बनाया निशाना

मॉस्को

रूस के कजान में किए गए ड्रोन हमले से अफरातफरी मच गई। मानवरहित ड्रोन आवासीय ऊंची इमारतों से टकरा गए। इससे आग लग गई। कजान मेयर कार्यालय ने इसकी पुष्टि की।

रूस की सरकारी न्यूज एजेंसी तास के अनुसार, कजान मेयर कार्यालय ने कहा कि तातारस्तान की राजधानी कजान शहर के तीन जिलों में मानवरहित हवाई वाहनों ने आवासीय भवनों पर हमला किया। इसके बाद इन इमारतों को खाली करा लिया गया।

तातारस्तान के प्रमुख रुस्तम मिन्निकानोव मौके पर हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि मॉस्को समयानुसार सुबह 7:50 बजे तातारस्तान क्षेत्र में एक ड्रोन को नष्ट कर दिया गया। मगर इस हमले के बाद कजान के सोवेत्स्की, किरोव्स्की और प्रिवोलज्स्वकी जिलों में आवासीय इमारतों में आग लग गई। राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। नगर निगम की आपातकालीन सेवाओं को हाई अलर्ट पर रखा गया है। एक नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है। कजान के मेयर इल्सुर मेत्शिन ने प्रभावित लोगों को अस्थायी आवास, गर्म कपड़े और भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

कुछ रिपोर्ट्स में इस हमले को अमेरिका के 9/11 जैसा बताया गया है। कजान एयरपोर्ट को भी अस्थायी रूप से बंद करने का दावा किया गया है।रूस की विमानन निगरानी संस्था रोसावियात्सिया ने टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप के माध्यम से कहा, कजान पर यूक्रेनी ड्रोन हमले के बाद यह कदम उठाया गया है।

दो अन्य हवाई अड्डों पर भी अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया गया है। कजान मॉस्को से लगभग 800 किलोमीटर दूर पूर्व में स्थित है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने हमले के बाद आरोप लगाया कि इसके पीछे यूक्रेन का हाथ है।

रूस का कजान शहर 2024 ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए चर्चा में रहा है। इसे रूस की तीसरी राजधानी भी कहा जाता है। वर्ष 2018 में यहीं पर फीफा वर्ल्ड कप आयोजित किया गया था। यहां भारत भी अपना दूतावास खोलने वाला है। यूक्रेन की राजधानी कीव से कजान की दूरी करीब 1400 किलोमीटर है।

तास के अनुसार, रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रात को यूक्रेन के 19 मानव रहित ड्रोन को मार गिराया गया। यूक्रेन ने बेलगोरोड क्षेत्र में नौ, वोरोनिश क्षेत्र में पांच, काला सागर के ऊपर तीन, कुर्स्क में एक और क्रास्नोडार में एक ड्रोन भेजकर हमले की कोशिश की। रूस ने इन सभी को मार गिराया। द मॉस्को टाइम्स के अनुसार, रूसी अधिकारियों ने शुक्रवार शाम कहा कि दक्षिण-पश्चिमी रूस के कुर्स्क क्षेत्र के एक शहर पर यूक्रेनी रॉकेट हमले में एक बच्चे सहित कम से कम छह लोग मारे गए।